NOVEMBER 2024

70218/200L3E/ 200H3E

Time : Three hours | Maximum : 75 marks

SECTION A — (5 × 3 = 15 marks)

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

प्रत्येक उत्तर 50 शब्दों में हों।

1. कबीर सच्चा पंडित किसे मानते हैं?

2. श्री कृष्ण उद्धव से गोपिकाओं को कैसा संदेश भेजते हैं?

3. तुलसी अपने आपको भिखारी कहते हुए कैसी विनती करते हैं?

4. मीरा अब ब्रज वनिता को सुख की रासी क्यों कहते हैं?

5. आदिकाल के किन्हीं छः प्रमुख ग्रंथों के नाम लिखिए।

6. ज्ञानमार्गी शाखा से तात्पर्य क्या है?

7. सगुण भक्ति में अवतार भावना का परिचय दीजिए।

8. रीतिकालीन साहित्य में अलंकारिकता का क्या स्थान है?

SECTION B — (4 × 5 = 20 marks)

किन्हीं चार की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

9. जब मैं या तो गुरू नाहिं, अब गुरू हैं हम नाहिं।

   प्रेम गली अति सांकरी ता में दो न समाहिं।

10. निन्दक नियरे राखिए, आंगनि कुटि बंधाई।
बिनु साबुन पानी बिना निरमल करै सुभाई।

11. तब ये लता लागति अति सीतल, अब भई विषम ज्वाल की पुँजै।
वृथा बहति जमुना खग बोलत, वृथा कमल फूलै अलि गुँजै।
पवन पानि घनसार संजीवनि दधिसुत किरन भानु भुई भुँगै।।
ए ऊछो कहियो माधान सो बिरह कदन करि मारत लुंजै।

12. जाके प्रिय न राम-वैदेही
सो छांडिये कोटि बैरि सम, जद्यपि राम सनेही।
तज्यो पिता प्रहलाद, विभीषण बंधु, भरत महतारी।।
बलि गुरू तज्यो, कंत ब्रज बनितनि, भये मृदु मंगलकारी।।

13. सांप पिटारा राणा भेज्यो, मीराँ हाथ दियो जाय।
न्हाय धोय जब देखण लागी, सलिगराम गई पाय।।
जहर का प्याला राणा भेज्या, अमृत दीन्ह बनाया।।

14. कनक कनक तैं सौ गुनी मादकता अधिकाय।
उहिं खाए बौराई जगु इहिं पायें बौराइ।।

15. बाह्य शुद्धता देह को देता ही है तोय।
अंतःकरण विशुद्धता प्रकट रूप सत्य से जोय।।

SECTION C — (4 × 10 = 40 marks)

किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (2 × 10 = 20)
प्रत्येक उत्तर 500 शब्दों में हों।

16. पठित दोहों के आधार पर कबीर के विचारों का मूल्यांकन कीजिए।

17. तुलसी के विनय के पदों का सारांश लिखिए।

18. बिहारीलाल के काव्य-सौष्ठव पर विचार कीजिए।

किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखिए। (1 × 10 = 10)

19. हिन्दी साहित्य के आदिकाल की प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।

20. सगुण भक्ति साहित्य की विशेषताओं को समझाइए।

21. किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए। (2 × 5 = 10)
(a) विद्यापति
(b) चन्दबरदाई
(c) घनानंद
(d) बिहारीलाल